This question paper contains 3 printed pages.]

7746 *आपका अनुक्रमांक .....*

M.A. (एम.ए.) / I **A**

HINDI (हिन्दी) – Paper 6 (प्रश्न-पत्र 6)

(निबन्ध साहित्य और अन्य गद्य विधाएँ)

समय : 3 घण्टे *पूर्णांक : 50*

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

***टिप्पणी** : प्रश्नपत्र पर अंकित पूर्णांक एम.ए. हिन्दी परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फॉर्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य है। वर्ग 'अ' (नियमित पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।*

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) यह जो मेरे सामने कुटज का लहराया पौधा खड़ा है, वह नाम और रूप दोनों में अपनी अपराजेय-जीवनी शक्ति की घोषणा कर रहा है। इसीलिए वह इतना आकर्षक है। नाम है कि हजारों वर्ष से जीता चला आ रहा है। कितने नाम आये और गये। दुनिया उनको भूल गयी, वे दुनिया को भूल गए। मगर कुटज है

कि संस्कृत की निरंतर स्फीयमान शब्दराशि में जो जम के बैठा सो बैठा ही है और रूप की बात ही क्या। बलिहारी है इस मादक शोभा की।

अथवा 7

न जाने कितनी बार वह इस पवित्र मौन-एकान्त में आकर बैठा होगा। दूर से आती बच्चों की शरारतों की आवाजें गंगा की कल-कल ध्वनि में मिलकर एक रहस्यमय वातावरण का निर्माण करती होंगी। प्रकृति का सौन्दर्य जैसे उसके थके तन-मन को सहलाता होगा तब उसने मन-ही-मन प्रतिज्ञा की होगी, 'मैं सूर्य, गंगा और हिमालय को साक्षी करके प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं जीवन-भर सौन्दर्य की उपासना करूँगा, कि मैं जीवन-भर अन्याय के विरुद्ध लड़ूंगा, कि मैं कभी छोटा काम नहीं करूँगा।''

(ख) मैंने अवज्ञा से उत्तर दिया - ''मैं विदेशी-फॉरेन नहीं खरीदती।'' 'हम फॉरेन है ? हम तो चाइना से आता है।' कहने वाले के कंठ में सरल विस्मय के साथ उपेक्षा की चोट से उत्पन्न चोट भी थी। इस बार रुककर, उत्तर देने वाले को ठीक से देखने की इच्छा हुई।

अथवा 7

कार्तिक की चाँदनी छिटक रही थी। गुलाबी जाड़ा पड़ रहा था। सवन जाति की चिड़ियाँ कहीं से उड़ कर जाड़े भर इमली की फुनगी पर बसेरा लेने लगी थीं; उनका कलरव उठ रहा था।

बिल्लेसुर रात को चबूतरे की बर्जी पर बैठे देखते थे, पहले शाम को आसमान में हिरनी-हिरन जहाँ दिखते थें, अब वहाँ नहीं है। बिल्लेसुर कहते थे, जब जहाँ चरने को चारा होता है, ये चले जाते हैं।

2. निबन्ध कला की दृष्टि से 'तुम चन्दन हम पानी' **अथवा** 'श्रीमान का स्वागत' की समीक्षा कीजिए। 12

3. 'भक्तिन' के संदर्भ में महादेवी की नारी चेतना का स्वरूप स्पष्ट कीजिए।

अथवा 12

'स्मृति की रेखाएँ' के आधार पर महादेवी वर्मा की गद्य शैली पर विचार कीजिए।

4. 'बिल्लेसुर बकरिहा' के प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।

अथवा 12

'आवारा मसीहा' के आधार पर जीवनी साहित्य परम्परा में विष्णु प्रभाकर के योगदान का मूल्यांकन कीजिए।